सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 9

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देश:–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. राष्ट्रवाद को चित्रों के माध्यम से दर्शाने वाला निम्नलिखित में से कौन है? 1

(a) फ्रेड्रिक सॉरयू (b) मेत्सिनी

(c) इमेनुएल II (d) हैब्सवर्ग

उत्तर (a) फ्रेड्रिक सॉरयू

2. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें– 1
बेल्जियम यूरोप का एक छोटा–सा देश है जो फ्रांस, इटली, जर्मनी और लक्समबर्ग के साथ सीमाएँ साझा करता है।

उत्तर

बेल्जियम यूरोप का एक छोटा–सा देश है जो फ्रांस, **नीदरलैण्ड**, जर्मनी और लक्समबर्ग के साथ सीमाएँ साझा करता है।

3. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) टेलीफोन ऑपरेटर

(b) आपातकालीन कॉल बॉक्स

(c) कॉल बॉक्स के कारण दुर्घटना

(d) गन्तव्य 300 मीटर दूर

उत्तर (b) आपातकालीन कॉल बॉक्स

4. मानव विकास रिपोर्ट 2014 के अनुसार भारत का विश्व में ..... वाँ स्थान है। 1

उत्तर 135

अथवा

देश की कुल आय में ..... का भाग देकर प्रति व्यक्ति आय ज्ञात की जाती है।

उत्तर देश की कुल जनसंख्या।

5. नीचे दिया गया कार्टून निम्न विकल्पों में से किस ओर संकेत करता है– 1

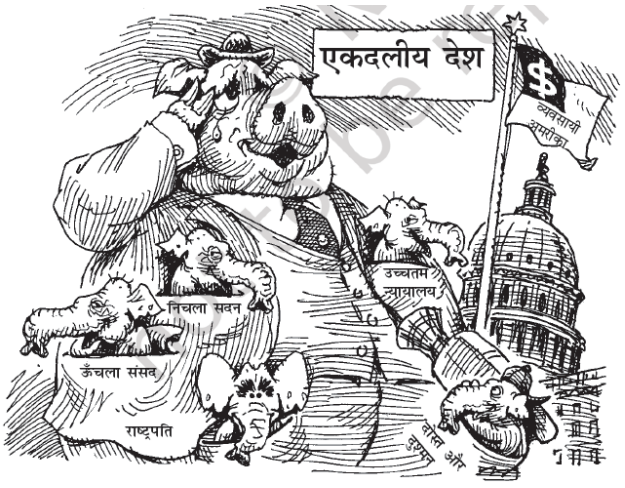

(a) सत्ता संभालने के लिये एकजुट हुए लोगों के समूह की ओर

(b) गठबन्धन सरकार की परेशानियों की ओर

(c) एकदलीय देश में सबका साथ सबका विकास नीति की ओर

(d) देश के सभी प्रमुख संस्थानों पर कॉर्पोरेट अमेरिका के नियंत्रण की ओर

उत्तर (d) देश के सभी प्रमुख संस्थानों पर कॉर्पोरेट अमेरिका के नियंत्रण की ओर

6. एक उत्तरदायी सरकार का क्या अर्थ है? 1

(a) एक उत्तरदायी सरकार में लोगों को नेताओं को चुनने का अधिकार है, नेता सरकार का गठन करते हैं और यदि संभव होता है तो वे निर्णय करने की प्रक्रिया में भाग भी लेते हैं।

(b) एक उत्तरदायी सरकार में लोगों को नेताओं को चुनने का अधिकार नहीं है।

(c) एक उत्तरदायी सरकार में लोग प्रक्रिया का एक हिस्सा होते हैं।

(d) एक उत्तरदायी सरकार में केवल विशेषाधिकृत व्यक्तियों को वोट देने का अधिकार है।

उत्तर (a) एक उत्तरदायी सरकार में लोगों को नेताओं को चुनने का अधिकार है, नेता सरकार का गठन करते हैं और यदि संभव होता है तो वे निर्णय करने की प्रक्रिया में भाग भी लेते हैं।

7. ..... को 'पंजाब का शेर' कहा जाता था। 1

उत्तर लाला लाजपत राय

8. निम्नलिखित घटनाओं को सही कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए– 1

1. इंग्लैण्ड में प्रारम्भिक कारखाने की स्थापना।
2. भारत की पहली कताई और बुनाई मिल की मद्रास में स्थापना।
3. वाटर फ्रेम का आविष्कार।
4. भारत में रेलवे का आगमन।

(a) 1-2-3-4 (b) 3-2-4-1

(c) 1-3-4-2 (d) 2-3-1-4

उत्तर (c) 1-3-4-2

9. चावल की खेती के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए– 1

चावल	आवश्यक वार्षिक वर्षा	फसल का मौसम	आवश्यक तापमान (डिग्री में)
	(A)–?	खरीफ	(B)–?

उत्तर

(A) – 100 सेंटीमीटर से अधिक

(B) – 25°C से ऊपर

10. सूची–I का सूची–II से मिलान करें– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	छोटा सुंदर है	क	भूमि
2.	कंकड़ों का अधिक केंद्रीकरण	ख	बांगर मिट्टी
3.	प्राकृतिक संसाधन	ग	शूमाकर
4.	काली मिट्टी	घ	गुजरात, मध्यप्रदेश

उत्तर 1–ग, 2–ख, 3–क, 4–घ

11. भारत में पहला प्रिंटिंग प्रेस कब और किसने लगाया? 1

उत्तर

भारत में पहला प्रिंटिंग प्रेस पुर्तगालियों द्वारा गोवा में 16वीं शताब्दी के अन्तिम चरण में लगाया गया।

अथवा

19वीं शताब्दी में महिलाओं के लिए प्रकाशित होने वाली पत्रिका की क्या विशेषता थी?

उत्तर

पेनी मैगजींस या एक पैसिया पत्रिकाएँ खास तौर पर महिलाओं के लिए होती थी। इसमें महिलाओं की सही चाल–चलन और गृहस्थी सिखाने वाली निर्देशिकाएँ होती थी।

12. एक लोकतांत्रिक सरकार किसके प्रति उत्तरदायी होती है? 1

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति

(c) जनता (d) निर्वाचित प्रतिनिधि

उत्तर (c) जनता

13. ..... एक कृषि आधारित कच्चा माल है। 1

उत्तर जूट

अथवा

पहली कपड़ा मिल ..... में स्थापित की गई थी।

उत्तर गुजरात

14. राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट को कब लागू किया गया?

(a) 1 नवम्बर, 1956 को (b) 1 नवम्बर, 1976 को

(c) 1 नवम्बर, 1966 को (d) 1 नवम्बर, 1960 को

उत्तर (a) 1 नवम्बर, 1956 को

15. भारतीय संघवाद की सफलता का क्या कारण है? 1

उत्तर

लोकतांत्रिक राजनीति की प्रकृति, संघवाद की भावना, विविधता के प्रति सम्मान एवं एक साथ रहने की इच्छा।

अथवा

जिला परिषद् क्या है?

उत्तर

किसी जिले की सभी पंचायत समितियों को मिलाकर जिला परिषद् का गठन होता है।

16. धर्म के आधार पर भेदभाव न करने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं? 1

उत्तर धर्मनिरपेक्ष।

अथवा

1000 लड़कों के पीछे लड़कियों की संख्या के अनुपात को क्या कहते हैं?

उत्तर लिंग अनुपात।

17. भारत में किस क्षेत्रक ने अधिकतम विकास दर दिखाई है? 1

उत्तर तृतीयक क्षेत्र।

18. रीता ने कार खरीदने के लिये बैंक से ₹ 7 लाख का कर्ज लिया है। ऋण पर वार्षिक ब्याज दर 14.5 प्रतिशत है और ऋण को मासिक किस्तों में 3 वर्षों में चुकाना है। बैंक ने नई कार के कागजात को सिक्योरिटी के रूप में बरकरार रखा, जिसे रीता को तभी वापस किया जाएगा जब वह पूरे कर्ज को ब्याज सहित चुकाएगी। 1

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि यह किस ओर संकेत करती है–

(a) पुनर्भुगतान का तरीका (b) ऋण की शर्तें

(c) ऋण पर ब्याज (d) जमा मानदण्ड

उत्तर (b) ऋण की शर्तें

19. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : खनन गतिविधि को अक्सर **हत्यारा उद्योग** कहा जाता है।

कारण (R) : खनन से कृषि में मदद मिलती है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (c) A सही है, लेकिन R गलत है।

20. "सस्ता और सामर्थ्य के अनुकूल कर्ज़ देश के विकास के लिए अति आवश्यक है।" इस कथन के समर्थन में कोई एक तर्क दीजिए। 1

उत्तर

बहुत से लोग कर्ज लेकर अपना उद्यम शुरू करना चाहते हैं; वे ऋण की अधिक लागत को देख पीछे हट सकते हैं।

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. नई प्रिंटिंग तकनीक का आविष्कार किसने किया? नई तकनीक हाथ से बनी किताबों का स्थान पूर्ण रूप से क्यों नहीं ले पाई? 3

उत्तर :

1. नई प्रिंटिग तकनीक का आविष्कार योहान गुटेनबर्ग ने 1448 में कर लिया था। उसने जैतून प्रेस को ही प्रिंटिंग प्रेस का मॉडल या आदर्श बनाया और साँचे का उपयोग अक्षरों की धातुई आकृतियों को गढ़ने के लिए किया।
2. नई तकनीक के हाथ से बनी किताबों का स्थान पूर्ण रूप से न ले पाने के कई कारण थे। उन पुस्तको को सजावटी शैली में लिखा जाता था। उनके हाशिये सजावटी होते थे तथा चित्र भी बनाए जाते थे। उनमें जो विशिष्टता थी वह नयी तकनीक में नही थी। हालांकि प्रारंभिक छपी हुई पुस्तकों का रंग–रूप और साज–सज्जा हस्तलिखित पांडुलिपियों जैसी थी, धातुई अक्षर हाथ की सजावटी शैली का अनुकरण करते थे। हाशिये पर फूल–पत्तियों की डिजाइन बनाई जाती थी और चित्र पेंट किए जाते थे। अमीरों के लिए बनाई गई पुस्तकों मे छपे पन्ने पर हाशिये की जगह बेलबूटों के लिए खाली जगह छोड़ दी जाती थी ताकि प्रत्येक खरीददार अपनी रूचि के अनुसार डिजाइन और पेंट स्वयं तय करके उसे सुंदर बना सके।

अथवा

17वीं शताब्दी तक शहरी संस्कृति के विकास के साथ छपाई के प्रयोग में विविधताओं का उल्लेख कीजिए। इसका क्या कारण था?

उत्तर :

छपाई के प्रयोग में निम्नलिखित विविधताएँ थी–

1. मुद्रित सामग्री के उपभोक्ता विद्वानों और अधिकारियों के साथ व्यापारी भी प्रतिदिन के व्यापार की जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका प्रयोग करने लगे।
2. लोगों में पढ़ने की रूचि में वृद्धि हुई और नये पाठक वर्ग ने काल्पनिक किस्से, कविताएँ, आत्मकथाएँ, शास्त्रीय, साहित्यिक कृतियों के संकलन और रूमानी नाटक पढ़ने में रुचि दिखाई।
3. अमीर महिलाओं ने भी पढ़ना शुरू किया और कुछ ने स्वरचित काव्य और नाटक भी छापें। इस प्रकार छपाई के प्रयोग में वृद्धि और विविधता आई।

छपाई के प्रयोग में विविधता आने का कारण 19वीं

शताब्दी के अंत में पश्चिमी शक्तियों द्वारा चीन में अपनी चौकियाँ स्थापित करना था। इन चौकियों की स्थापना के साथ पश्चिमी मुद्रण तकनीक और मशीनी प्रेस का आयात भी हुआ। शंघाई प्रिंट संस्कृति का नया केंद्र बन गया और धीरे-धीरे हाथ की छपाई का स्थान मशीनी यांत्रिक छपाई ने ले लिया।

22. 19वीं सदी में विश्व अर्थव्यवस्था के उदय से भारत में क्या परिवर्तन आया? एक उदाहरण दें। 3

उत्तर :

19वीं सदी में विश्व अर्थव्यवस्था के उदय से भारत में छोटे पैमाने पर ही सही परंतु परिवर्तन आया। पंजाब में ब्रिटिश भारतीय सरकार ने अर्द्ध रेगिस्तानी परती जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए नहरों का जाल बिछा दिया जिससे निर्यात के लिए गेहूँ और कपास की खेती की जा सके। नई नहरों की सिंचाई वाले इलाकों में पंजाब के अन्य स्थानों के लोगों को बसाया गया।

अथवा

बंगाल के पटसन के व्यापार पर महामंदी का क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :

बंगाल के पटसन के व्यापार पर महामंदी का बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ा। बंगाल के पटसन के उत्पादक कच्चा पटसन उगाते थे, जिससे कारखानों में टाट की बोरियां बनाई जाती थीं। अतः जब टाट का निर्यात बंद हो गया तो कच्चे पटसन की कीमतों में 60 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आ गई। बंगाल के पटसन उत्पादक कर्ज़ में डूबते चले गए।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें- $1+1+1=3$

स्रोत क : रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना

आमतौर पर रूमानी कलाकारों और कवियों ने तर्क-वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की और उसकी जगह भावनाओं, अंतर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर दिया। उनका प्रयास था कि एक साझा-सामूहिक विरासत की अनुभूति और एक साझा सांस्कृतिक अतीत को राष्ट्र का आधार बनाया जाए।

स्रोत ख : भूख, कठिनाइयाँ और जन विद्रोह

1848 ऐसा ही एक वर्ष था। खाने-पीने की कमी और व्यापक बेरोजगारी से पेरिस के लोग सड़कों पर उतर आए। जगह-जगह अवरोध लगाए गए और लुई फिलिप को भागने पर मजबूर किया गया। राष्ट्रीय सभा ने एक गणतंत्र की घोषणा करते हुए 21 वर्ष से ऊपर सभी वयस्क पुरूषों को मताधिकार प्रदान किया और काम के अधिकार की गारंटी दी। रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय कारखाने स्थापित किए गए।

स्रोत ग-1848 : उदारवादियों की क्रान्ति

उदारवादी आंदोलन के अंदर महिलाओं को राजनीतिक अधिकार प्रदान करने का मुद्दा विवादास्पद था। हालाँकि आंदोलन में वर्षों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया था। महिलाओं ने अपने राजनीतिक संगठन स्थापित किए, अखबार शुरू किए और राजनीतिक बैठकों और प्रदर्शनों में शिरकत की। इसके बावजूद उन्हें एसेंबली के चुनाव के दौरान मताधिकार से वंचित रखा गया था। जब सेंट पॉल चर्च में फ्रैंकफर्ट संसद की सभा आयोजित की गई थी तब महिलाओं को केवल प्रेक्षकों की हैसियत से दर्शक-दीर्घा में खड़े होने दिया गया।

स्रोत क : रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना

23.1 रूमानीवाद का क्या उद्देश्य था? 1

उत्तर :

रूमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आन्दोलन था जिसका उद्देश्य एक खास तरह की राष्ट्रीय भावना का विकास करना था।

स्रोत ख : भूख, कठिनाइयाँ और जन विद्रोह

23.2 फ्रांस पर 1848 के किसानों के विद्रोह के कोई दो प्रभाव लिखें। 1

उत्तर :

1. राष्ट्रीय सभा ने एक गणतंत्र की घोषणा की।
2. सभा ने 21 वर्ष से ऊपर सभी वयस्क पुरूषों को मताधिकार प्रदान किया।

स्रोत ग-1848 : उदारवादियों की क्रान्ति

23.3 जर्मनी में महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए कैसे बदले की कार्रवाई की? 1

उत्तर :

जर्मनी में महिलाओं ने अपने राजनीतिक संगठन बना लिए, वे अखबार निकालने लगी, राजनीतिक सभाओं एवं प्रदर्शनों में भाग लेने लगी।

24. नागरिकों की गरिमा और आजादी को प्रोत्साहित करने में लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी अन्य शासन प्रणाली से काफी आगे है। कथन को न्यायसंगत ठहराइये। 3

उत्तर :

लोकतंत्र परस्पर समानता, न्याय, स्वतंत्रता में भागीदारी जैसे मूल्यों के आधार पर कार्य करता है, जो व्यक्तियों के मध्य एक-दूसरे के प्रति सम्मान एवं प्रेम को बढ़ावा देते हुए उनकी गरिमा एवं स्वतंत्रता को बढ़ाता है। इसे निम्नलिखित लोकतांत्रिक प्रावधानों के द्वारा सम्पन्न किया जाता है-

1. एक व्यक्ति एक वोट पर आधारित सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रणाली।
2. निर्णयों और नीतियों में व्यापक भागीदारी और बहस।
3. कमजोर तबकों को आगे बढ़ाने के लिए कल्याणकारी कार्यों को करना आदि।

भारत में महिलाओं, निम्न जातियों, पिछड़ों के उत्थान के लिए न केवल कानूनी समानता का प्रावधान किया गया है बल्कि इन्हें आगे बढ़ाने के लिए उचित अवसर उपलब्ध करवाने का प्रयास भी किया जाता है।

25. इस्पात के विनिर्माण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें। 3

उत्तर :

इस्पात के विनिर्माण की प्रक्रिया

1. कच्चे माल को इस्पात केन्द्र तक लाया जाता है।
2. अयस्क को भट्ठियों में पिघलाया जाता है। चूना पत्थर मिलाया जाता है और धातु की गंदगी को निकाला जाता है।
3. पिघले पदार्थ को लोहे के साँचे में ढाला जाता है जिससे ढलवाँ (पिग) लोहा तैयार होता है।
4. पिग आयरन (ढलवाँ लोहे) को पुनः पिघलाया जाता है तथा ऑक्सीकरण द्वारा अशुद्धियाँ दूर की जाती हैं। मैंगनीज, निकल, क्रोमियम पिघले पदार्थ में मिलाए जाते हैं।
5. रोलिंग, प्रेसिंग, ढलाई तथा गढ़ाई द्वारा निश्चित आकार दिया जाता है।

26. जीवन के लिए संचार साधन क्यों आवश्यक हैं? 3

उत्तर :

1. आपसी मेल-मिलाप को बढ़ाने के लिए संचार के साधन अति आवश्यक हैं।
2. संचार साधनों द्वारा हम जीवन में घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
3. संचार के साधनों द्वारा हम अपना संदेश लिखित तथा मौखिक रूप में भेज सकते हैं।

27. विकास का अर्थ बताइए। इसके मापदण्ड लिखिए। 3

उत्तर :

विकास का अर्थ है, प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में दीर्घकालीन वृद्धि। इससे देश के लोगों के भौतिक कल्याण में वृद्धि होती है तथा जन-जीवन में सुधार आता है। इसके मुख्य मापदण्ड इस प्रकार हैं-

1. राष्ट्रीय आय में वृद्धि।
2. प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में निरन्तर वृद्धि।
3. भौतिक जीवन गुणवत्ता में सुधार, शिक्षा, जीवन प्रत्याशा तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि।
4. धारणीय विकास अर्थात् विकास के साथ भावी पीढ़ी का संरक्षण।
5. मानव विकास सूचकांक में सुधार।
6. स्वतंत्रता के साथ विकास।

अथवा

मानव विकास और आर्थिक विकास में अन्तर बताएँ।

उत्तर :

मानव विकास और आर्थिक विकास में अन्तर

	मानव विकास	आर्थिक विकास
1.	मानव विकास की अवधारणा एक विकसित अवधारणा है।	आर्थिक विकास की अवधारणा तुलनात्मक रूप से एक संकुचित अवधारणा है।
2.	मानव विकास की अवधारणा परिमाणात्मक तथा गुणात्मक है।	आर्थिक विकास की अवधारणा केवल परिमाणात्मक है।
3.	मानव विकास में सकल घरेलू उत्पाद के साथ-साथ मानवीय आनन्द के तत्वों पर भी विचार किया जाता है।	आर्थिक विकास में केवल सकल घरेलू उत्पाद पर विचार किया जाता है।
4.	मानव विकास एक लक्ष्य है।	आर्थिक विकास एक साधन है।

28. आर्थिक तथा अनार्थिक क्रियाओं में अन्तर बतायें। अन्तर के केवल दो बिन्दु लिखें। 3

उत्तर :

आर्थिक तथा अनार्थिक क्रियाओं में अन्तर

	आर्थिक क्रियाएँ	अनार्थिक क्रियाएँ
1.	आर्थिक क्रियाएँ वे मानवीय क्रियाएँ हैं जो धन के उत्पादन, विनिमय, वितरण और उपयोग से संबंध रखती हैं।	अनार्थिक क्रियाएँ वे मानवीय क्रियाएँ हैं जो सेवा भाव तथा जनकल्याण से संबंध रखती हैं।
2.	आर्थिक क्रियाओं का वैधानिक होना आवश्यक हैं।	अनार्थिक क्रियाएँ अवैधानिक भी हो सकती हैं।

खण्ड-ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. **सांस्कृतिक समागम** का क्या अर्थ है? अनुबंधित मजदूरों ने सांस्कृतिक समागम के स्वरूप को किस प्रकार विकसित किया, दो उदाहरण दीजिए। 5

उत्तर :

1 उन्नीसवीं शताब्दी की अनुबंध व्यवस्था को एक नई दास प्रथा का नाम दिया गया। अनुबंधित मजदूरों की दशा शोचनीय थी। कैरीबियाई द्वीप समूह में उनकी संस्कृति स्थानीय लोगों से भिन्न थी परंतु फिर भी उन्होंने वहाँ के लोगों के साथ **सांस्कृतिक समागम** करने का प्रयत्न किया जिसके अंतर्गत पुरानी और नई संस्कृति का मिश्रण किया गया। इसी को सांस्कृतिक समागम कहा गया है।

2 कठोर परिस्थितियों के बावजूद मजदूरों ने पुरानी और नई संस्कृति का मिश्रण करके अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक आत्माभिव्यक्ति के निम्न तरीके ढूँढे–

(a) त्रिनिदाद में मुहर्रम के वार्षिक जुलूस को एक विशाल उत्सवी रूप दिया गया। इस मेले को **होसे** (इमाम हुसैन के नाम पर) का नाम दिया गया। उसमें सभी धर्मो और नस्लों के मजदूर हिस्सा लेते थे।

(b) **रास्ताफारियानवाद** नामक विद्रोही धर्म में भी भारतीय अप्रवासियों और कैरीबियाई द्वीप समूह के लोगों के संबंध की झलक दिखती है।

(c) त्रिनिदाद और गुयाना में प्रसिद्ध **चटनी म्यूजिक** भी रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण था।

इस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृतियों का सम्मिश्रण हुआ और धीरे–धीरे उनका एक नया रूप विकसित हुआ।

अथवा

भारत के सूती कपड़े के उद्योग की गिरावट के मुख्य कारण एवं समस्याएँ कौन–कौन सी थी?

उत्तर :

18वीं शताब्दी तक भारतीय सूती कपड़े की माँग सारे विश्व में थी, परंतु 19वीं शताब्दी के आते–आते अनेक कारणों से इसमें गिरावट आती चली गई जिसके कारण भारतीय कपास बुनकरों के लिए अनेक समस्याएँ पैदा हो गई।

मुख्य समस्याएँ एवं कारण

1 भारतीय सूती कपड़े के उद्योग की गिरावट का सबसे मुख्य कारण इंग्लैंड में आने वाली औद्योगिक क्रांति थी जिसके कारण अब उसने भारत से सूती कपड़ों को आयात करना बिल्कुल बन्द कर दिया।

2 इसके विपरीत उसने भारतीय बाजारों में मशीनों द्वारा निर्मित सूती कपड़ें की भरमार कर दी। ये कपड़े न केवल सस्ते थे वरन् चमक–दमक में आगे थे।

3 भारतीय सूती कपड़े के निर्यात पर और कर लगा दिए गए, अंग्रेजी कपड़े को निःशुल्क या बहुत कम टैक्स की दर पर भारत आने दिया गया ।

4 अंग्रेजी कंपनी थोक में भारत से रूई या कपास खरीद –खरीद कर अपने देश भेज देती थी जिसके कारण भारतीय सूती कपड़े के निर्माताओं के लिए अच्छी कपास बाजार में उपलब्ध ही नहीं होती थी।

5 जो लोग किसी न किसी ढंग से सूती कपड़े का निर्माण करते रहे उन पर ब्रिटिश सरकार द्वारा भारी उत्पादन कर लगा दिए गए।

6 रेलों को भी भारतीय कपास का निर्यात करने और ब्रिटिश सूती कपड़े का आयात करने के कामों में लगा दिया गया।

ऐसे में भारत में सूती कपड़ा और करघा उद्योग ठप्प पड़ गया।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

अगर दल न हों तो सारे उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय होंगे। तब, इनमें से कोई भी बड़े नीतिगत बदलाव के बारे में लोगों से चुनावी वायदे करने की स्थिति में नहीं होगा। सरकार बन जाएगी पर उसकी उपयोगिता संदिग्ध होगी। निर्वाचित प्रतिनिधि सिर्फ़ अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कामों के लिए जवाबदेह होंगे। लेकिन, देश कैसे चले इसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

गैर–दलीय आधार पर होने वाले पंचायत चुनावों का उदाहरण सामने रखकर भी इस बात की परख कर सकते हैं। हालाँकि इन चुनावों में दल औपचारिक रूप से अपने उम्मीदवार नहीं खड़े करते लेकिन चुनाव पर पूरा गाँव कई खेमों में बँट जाता है और हर खेमा सभी पदों के लिए अपने उम्मीदवारों का **पैनल** उतारता है। राजनीतिक दल भी ठीक यही काम करते हैं। यही कारण है कि दुनिया के लगभग सभी देशों में राजनीतिक दल नज़र आते हैं–चाहे वह देश बड़ा हो या छोटा, नया हो या पुराना, विकसित हो या विकासशील।

राजनीतिक दलों का उदय प्रतिनिधित्व पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के उभार के साथ जुड़ा है। बड़े समाजों के लिए प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र की ज़रूरत होती है। जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग–अलग विचारों को समेटने और सरकार की नज़र में लाने के लिए किसी माध्यम या एजेंसी की ज़रूरत होती है। विभिन्न जगहों से आए प्रतिनिधियों को साथ करने की ज़रूरत होती है ताकि एक ज़िम्मेवार सरकार का गठन हो सकें। उन्हें सरकार का समर्थन करने या उस पर अंकुश रखने, नीतियाँ बनवाने और नीतियों का समर्थन अथवा विरोध करने के लिए उपकरणों की ज़रूरत होती है। प्रत्येक प्रतिनिधि–सरकार की ऐसी जो भी ज़रूरतें होती हैं, राजनीतिक दल उनको पूरा करते हैं। इस तरह राजनीतिक दल लोकतंत्र की एक अनिवार्य शर्त हैं।

30.1 बड़े समाजों में प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र की जरूरत क्यों होती है?

30.2 "लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दलों का होना आवश्यक शर्त है।" इस कथन का उदाहरणों सहित विश्लेषण कीजिए।

30.3 "लगभग 100 साल पहले दुनिया के कुछ ही देशों में गिनती के राजनीतिक दल थे। आज गिनती के ही देश ऐसे हैं, जहाँ राजनीतिक दल नहीं हैं।" इस कथन की परख कीजिए।

उत्तर :

30.1

जब समाज बड़ा और जटिल बन जाता है तब उसे किसी ऐसी एजेंसी की जरूरत होती है जो विभिन्न मुद्दों पर भिन्न विचारों को समेटे तथा उन्हें सरकार के समक्ष पेश करे। उसे विभिन्न

प्रतिनिधियों को साथ लाने की जरूरत होती है ताकि एक जिम्मेदार सरकार का गठन हो सके।

30.2

लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दलों का होना आवश्यक शर्त है, क्योंकि–

(1) राजनीतिक दलों के बिना लोकतंत्र नहीं चल सकता।

(2) अगर दल न हों तो सारे उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय होंगे।

(3) उनमें से कोई भी बड़े नीतिगत बदलाव के विषय में चुनावी वायदे करने की स्थिति में नहीं होगा।

(4) सरकार बन जाएगी पर उसकी उपयोगिता संदिग्ध होगी।

(5) निर्वाचित प्रतिनिधि सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कामों के लिए जवाबदेह होंगे।

(6) देश कैसे चले इसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

(7) लोकतंत्र में विपक्षी दलों की भूमिका राजनीतिक दलों के अस्तित्व की आवश्यकता है।

(8) जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग–अलग विचारों को समेटने और सरकार की नज़र में लाने के लिए किसी माध्यम की जरूरत होती है। इसीलिए राजनीतिक दल आवश्यक हैं।

30.3

(1) लगभग 100 साल पहले, बहुत कम ऐसे देश थे, जहाँ लोकतंत्र विद्यमान था, इसलिए कोई राजनीतिक दल नहीं था।

(2) हाल के वर्षों में, लोकतंत्र बहुत तेज गति से फैला। आज 70% से भी अधिक विश्व के देशों में बहुदलीय चुनाव होते हैं। चूँकि लोकतंत्र राजनीतिक दलों की धुरी होता है, इसलिए राजनीतिक दलों की जरूरत होती है।

(3) बड़े पैमाने के समाजों को प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र की जरूरत होती है जो कि केवल राजनीतिक दलों के कारण ही संभव होता है।

(4) बिना राजनीतिक दलों के लोकतंत्र की कल्पना करना भी असंभव है क्योंकि बिना राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय नीति बनानी भी संभव नहीं होगी।

(5) राजनीतिक दल सार्वजनिक बहस के लिए मंच प्रदान करते है।

31. भारत में लैंगिक आधार पर निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में श्रम विभाजन की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

निजी क्षेत्र

हमारे समाज में जन्म से मृत्यु तक लड़के और लड़कियों के पालन–पोषण में भेदभाव किया जाता है। यहाँ तक कि स्वयं जो कभी–न–कभी एक लड़की थी और लैंगिक भेदभाव की शिकार (स्वभावतः) रही हो वे भी अपने पुत्र–पुत्रियों के पालन–पोषण में भेदभाव करती हैं। प्रायः देखने व सुनने में आता है कि अधिक अच्छा व ताजा भोजन तथा बढ़िया कपड़े लड़कों को दिए जाते हैं तथा लड़कियों की तुलना में उन्हें अधिक खर्चीले स्कूलों में भर्ती किया जाता है।

लड़के और लड़कियों के पालन–पोषण के दौरान ही लड़कियों के मन में यह बात बैठा दी जाती है कि उनकी मुख्य जिम्मेदारी गृहस्थी चलाने और बच्चों का पालन–पोषण करने की है।

सार्वजनिक क्षेत्र

सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं को ऐसे कार्य सौंप दिए जाते हैं जो पुरूषों से भी संपन्न नहीं हो पाते हैं लेकिन उन्हें पारिश्रमिक पुरूषों की तुलना में कम दिया जाता हैं।

गाँवों में महिलाएँ कृषि कार्य से लेकर बच्चों के पालन–पोषण की संपूर्ण जिम्मेदारी का वहन करती हैं। कई मील दूर से भोजन पकाने हेतु जलाऊ लकड़ियों को सिर पर ढोकर लाना और जलाशयों से पानी लाना भी उनके कार्य क्षेत्र में सम्मिलित है। कुछ महिलाएँ मजदूरी पर कार्य करते हुए भी देखी जा सकती है लेकिन उन्हें पुरूष श्रमिकों के बराबर मजदूरी नहीं दी जाती है।

शहरों में महिलाएँ घर के सारे काम निपटाने के साथ ही कार्यालयों और कारखानों में भी कार्य करने जाती हैं।

वर्तमान स्थिति– अब महिलाओं की स्थिति में क्रमशः परिवर्तन होता जा रहा हैं। पुरूष वर्ग की पीड़ाओं ने उन्हें अब अपने राजनीतिक संगठन बनाने तथा अपने अधिकारों की माँग उठाने योग्य बना दिया है। आज पंचायती राज संस्थाओं में तैंतीस प्रतिशत पदों पर महिलाएँ शासन कर रही हैं। उन्हें आरक्षण प्राप्त हैं। राज्यों की विधानसभाओं में भी पाँच से सात प्रतिशत और संसद में दस से बारह प्रतिशत तक सीटों का आरक्षण वे प्राप्त कर चुकी हैं। इनमें तैंतीस प्रतिशत सीटों पर आरक्षण पाने के लिए उनके द्वारा संसद में विधेयक प्रस्तुत किया गया है। यह अलग बात है कि पिछले लगभग एक दशक से प्रस्तुत किया गया यह विधेयक आज तक लम्बित है।

32. कौन–सी संस्था ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्य प्रणाली पर नजर रखती हैं? ऋण की किन्हीं चार शर्तों को उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

भारतीय रिजर्व बैंक ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्यप्रणाली पर नजर रखता हैं।

ऋण की शर्ते

1. **ब्याज दर–** हर ऋण समझौते में ब्याज दर निश्चित कर दी जाती हैं, जिसे कर्जदार मूल राशि के साथ अदा करता है।
2. **समर्थक ऋणाधार–** उधारदाता कोई समर्थक ऋणाधार (गिरवी रखने के लिए) की माँग कर सकता हैं। समर्थक ऋणाधार ऐसी संपत्ति हैं, जिसका मालिक कर्जदार हैं (जैसे– भूमि, इमारत, गाड़ी, पशु अथवा बैंकों में जमा पूँजी)।

3. **आवश्यक कागजात–** कागजातों में पहचान पत्र, राशन कार्ड इत्यादि की आवश्यकता होती है।
4. **भुगतान के तरीके–** इसका अर्थ है कि कर्जदार कर्ज को कितने वर्षो में, कितनी किस्तों में अदा करेगा तथा अदा करने का तरीका नकद होगा या चेक द्वारा भुगतान किया जाएगा।

33. खनिज हमारे जीवन के अति अनिवार्य भाग हैं। इस कथन को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

खनिज हमारे जीवन के अनिवार्य अंग हैं क्योंकि हमारे विकास के लिए आवश्यक विभिन्न वस्तुओं के निर्माण में उनका उपयोग होता है। उदाहरण के लिए,

1. खाना बनाने तथा खाने के लिए हम जिन बर्तनों का प्रयोग करते हैं उनके निर्माण में खनिजों का उपयोग होता है।
2. बसें, रेलगाड़ियां, कारें तथा अन्य दूसरे वाहन सभी खनिजों से बने हैं और धरती से प्राप्त ऊर्जा के साधनों द्वारा चालित होते हैं।
3. घर, स्कूल तथा अन्य दूसरे भवनों के निर्माण में भी खनिजों का उपयोग होता है।
4. रेल की पटरियां, सड़कें, औजार एवं मशीनें, हथियार आदि सभी खनिजों से निर्मित हैं।
5. हम जो खाना खाते हैं, उसमें भी विभिन्न खनिज होते हैं।

मनुष्य ने अपने विकास की प्रत्येक अवस्था में खनिजों का उपयोग किया है। हम इन खनिजों का उपयोग अपनी जीविका प्राप्त करने, त्योहारों तथा धार्मिक अनुष्ठानों आदि को पूरा करने में करते हैं। अतः खनिज हमारे जीवन के अपरिहार्य अंग हैं।

अथवा

परमाणु ऊर्जा भविष्य की आशा है। इस कथन का पाँच बिंदुओं में वर्णन करें।

उत्तर :

1. यूरेनियम, थोरियम, चेरालेट, जिर्कोमियम के अणुओं को विखंडित करके अणु या परमाणु ऊर्जा प्राप्त की जाती है। इनके खंडित होने से हमें अधिक मात्रा में ऊर्जा मिलती है।
2. आधुनिक समय में अधिक से अधिक देश परमाणु ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। इस प्रकार के ऊर्जा केन्द्र अमेरिका, फ्रांस, रूस, इंग्लैंड आदि में स्थापित किए गए हैं।
3. भारत में भी तारापुर, कोटा, कल्पक्कम और नारोरा में परमाणु केन्द्र स्थापित हैं। भारत में यूरेनियम झारखंड, बिहार और थोरियम केरल में पाया जाता है।
4. परमाणु ऊर्जा भविष्य की ऊर्जा है। कोयला तथा खनिज तेल अनवीकरण योग्य साधन हैं। इसलिये इन पर सदैव निर्भर नहीं रहा जा सकता।
5. जल विद्युत संतोषजनक नहीं है क्योंकि सदावाहिनी नदियाँ सभी जगह नहीं हैं। इसलिए हम जल विद्युत पर निर्भर नहीं रह सकते। परमाणु ऊर्जा बहुत लाभदायक सिद्ध हो रही है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र कहीं भी स्थापित किए जा सकते हैं।

34. सतत् आर्थिक विकास का क्या अभिप्राय है? इसे आर्थिक वृद्धि के लिए क्यों आवश्यक समझा जाता है? 5

उत्तर :

सतत् आर्थिक विकास का अर्थ है पर्यावरण को किसी तरह की क्षति पहुँचाए बिना आर्थिक विकास की प्रक्रिया को निरंतर जारी रखना। वर्तमान काल के विकास की कीमत पर भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं के साथ किसी प्रकार का ऐसा समझौता नहीं करना चाहिए कि उनके हितों को नुकसान पहुँचे।

आर्थिक वृद्धि के लिए सतत् आर्थिक विकास का महत्त्व

1. तेजी से होने वाले आर्थिक विकास और औद्योगीकरण ने प्राकृतिक संसाधनों (जैसे वन, वन्य जीव–जंतु, जल, खनिज सम्पदा इत्यादि) को अपूरणीय क्षति पहुँचाई है। यदि सीमित संसाधन पूर्णतया खत्म हो गए तो भविष्य में होने वाला देश का आर्थिक विकास खतरे में पड़ जाएगा।
2. आज की दुनिया अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण पहले की तुलना में अधिक नजदीक आ गई है। विश्व के एक हिस्से में होने वाली घटना विश्व के अन्य भागों पर अपना तुरंत असर डालती है इसलिए विश्व स्तर पर आर्थिक विकास की रणनीति को अपनाना सभी देशों के हित में है अर्थात् हर देश को पर्यावरण के प्रति मित्रवत् दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।
3. विश्व को ऊर्जा प्रदान करने वाले जीवाश्म ईंधन और पेट्रोलियम जैसे संसाधनों के भंडार बहुत ही सीमित हैं। दुनिया में पेट्रोल का सर्वाधिक उपभोग करने वाले राष्ट्र विकसित देश ही हैं। इन देशों की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे इसका प्रयोग करते हुए पर्यावरण को प्रदूषण से बचायें क्योंकि प्रदूषित पर्यावरण सारी मानव जाति और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा कर सकते हैं।
4. आज अनेक महत्त्वपूर्ण समझौतों पर अनेक देश मिलकर अपनी सहमति देते हैं और समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं। वे सभी वायदा करते हैं कि पर्यावरण का संरक्षण करने में वे योगदान देंगे और जलवायु में ऐसा परिवर्तन नहीं आने देंगे कि वह विश्व स्तर पर मानव अस्तित्व और भावी विकास के लिए नकारात्मक चेतावनी देने वाला हो जाए। वस्तुतः इन सभी समझौतों का एक ही उद्देश्य है कि वर्तमान काल में सभी देशों का यथासंभव उचित आर्थिक विकास और वृद्धि हो लेकिन भावी पीढ़ी के हित भी सुरक्षित रहें।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था।

(B) वह स्थान, जहाँ नील उगाने वाले किसानों का आंदोलन हुआ था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) चेन्नई (मीनमबाक्कम) – अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(ii) नारोरा – आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) कानपुर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) दुर्गापुर – लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) तिरुअनंतपुरम् – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) मोरमुगाओ – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर :